जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

कोटा

Rashtradoot

फोनः- 2386031, 2386032 फैक्सः- 0744-2386033 वर्षः 49 संख्याः 185 प्रभात कोटा, शुक्रवार 19 अप्रेल, 2024 कोटा/24/2012-14 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

केरल में इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की टैस्टिंग में गड़बड़ी पायी गयी

यू.डी.एफ. के उम्मीदवार के वकील ने कहा कि, ''ट्रायल रन'' के दौरान भाजपा को एक्स्ट्रा वोट मिल रहे थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। क्या दाल में कुछ काला है या फिर पूरी दाल ही काली है? वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कल से मतदान शुरु होकर पूरे माह चलेगा। इसके बाद ही यह तय होगा कि देश का भविष्य क्या है और राष्ट्र किस दिशा में जाएगा। भाजपा 400 पार की बात करती है, लेकिन विपक्ष कहता है कि इसके लिए ज़मीनी वास्तविकता बहुत कठिन है क्योंकि जनता भाजपा की विभाजनकारी और साम्प्रदायिक राजनीति को नकार रही है।

पर इसके बीच में क्या है?

ई.वी.एम.?

ई.वी.एम. की सच्चाई और प्रमाणिकता को लेकर भारी संदेह व्यक्त किए गए है और यह प्रश्न एक से अधिक बार उठा है कि क्या नरेन्द्र मोदी ई.वी.एम. की मदद से चुनाव जीत रहे हैं। ई.वी.एम. और वी.वी.पी.ए.टी. के 100 प्रतिशत मिलान की मांग को लेकर एक केस सुप्रीम कोर्ट में है। सुनवाई के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया गया है। इस केस से निकट रूप से संबंधित एक सीनियर एडवोकेट ने बताया कि दो

- सरकारी अधिकारियों ने 20 ई.वी.एम. मशीनों का ट्रायल किया, इनमें से चार मशीनों ने भाजपा को दो ''एक्स्ट्रा'' वोट दिए।
- यू.डी.एफ. उम्मीदवार के वकील के अनुसार उन्होंने उन चारों मशीनों की जांच के आदेश दिये।
- अब यह ई.वी.एम. मशीनों का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है तथा सुनवाई पूरी हो जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले के निर्णय को सुरक्षित रखा है।
- वकील ने कहा, यह विचारणीय बात है कि, न तो यू.डी.एफ. और न ही वामपंथी गठबंधन के उम्मीदवार को गल्ती से भी एक आधा वोट भी एक्स्ट्रा नहीं मिला। केवल भाजपा को ही क्यों एक्स्ट्रा वोट मिले।

जजों की बैंच इस अति महत्वपूर्ण केस की जिस तरीके से सुनवाई कर रही है, उसे लेकर वकीलों ने आक्रोश व्यक्त किया है। इस संदर्भ में केरल में एक महत्वपूर्ण प्रकरण हुआ जब ई.वी.एम. का मॉक ड्रिल किया जा रहा था।

एल.डी.एफ. (लैफ्ट डैमोक्रेटिक फ्रंट) और यू.डी.एफ. (यूनाईटेड डैमोक्रेटिक फ्रंट) के प्रत्याशियों के एजेन्टों ने आरोप लगाया कि बुधवार 17 अप्रेल को कासरगोड में मॉक पोलिंग के दौरान कम से कम चार इलैक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन्स (ई.वी.एम्स.) ने गलत तरीके से भाजपा के पक्ष में वोट दर्ज किए।

कासरगोड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के एल.डी.एफ. प्रत्याशी एवं माकपा नेता एम.वी. बालकृष्णन ने जिला कलैक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी इन्बासेकर के. को एक शिकायत प्रस्तुत कर ई.वी.एम. की गलतियों पर गौर करने का अनुरोध किया। यू.डी.एफ. प्रत्याशी राजमोहन उन्नीथान के एजेन्ट मोहम्मद नासर चेरकलाम अब्दुल्लाह ने कासरगोड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के असिस्टैन्ट रिटर्निंग ऑफिसर (ए.आर.ओ.) से इन त्रुटिपूर्ण मशीनों को बदलने का अनुरोध किया। भाजपा के एम.एल.अश्विनी कासरगोड से एन.डी.ए. के प्रत्याशी हैं।

नासर चेरकलाम ने बताया कि भाजपा का चुनाव चिन्ह ''कमल'' कासरगोड निर्वाचन क्षेत्र में ई.वी.एम. के मॉक ड्रिल के दौरान अतिरिक्त वोट प्राप्त कर रहा था। उन्होंने यह भी बताया कि वोटिंग मशीन्स पर कांग्रेस का चुनाव चिन्ह ''हाथ'' अन्य पार्टियों के चुनाव चिन्ह की अपेक्षा छोटा है। उन्होंने अधिकारियों से इसमें बदलाव का अनुरोध किया। कासरगोड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की वोटिंग मशीन्स में एन.ओ.टी.ए. (नन ऑफ द अबोव) सहित 10 विकल्प हैं।

अधिकारियों ने एक साथ 20 मशीनों को चैक किया। ई.वी.एम. के सभी 10 विकल्पों का जब एक-एक बार दबाया गया तब वोटर वैरिफियाबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वी.वी.पी.ए.टी.) ने चार मशीनों में दो वोट भाजपा को दिए। नासर ने बताया कि जब कमल के चुनाव चिन्ह वाला बटन नहीं दबाया गया, तब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कांग्रेस कार्यकर्ता हैं पार्टी की रीढ़ : राहुल

नयी दिल्ली, 18 अप्रेल। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पार्टी कार्यकर्ताओं का हौसला बढ़ाते हुए आज एक वीडियो जारी किया और कहा की कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ तथा कांग्रेस का असली डीएनए हैं। गांधी ने लोक सभा चुनाव के पहले चरण के एक दिन पहले जारी एक वीडियो संदेश में कहा ''मेरे प्यारे कार्यकर्ता साथियों आप हमारी पार्टी की रीढ़ की हड्डी हैं। मैंने सोचा चुनाव का समय है, मैं आपसे थोड़ी सी सीधी बात कर लूं। ये आम चुनाव नहीं है। ये संविधान और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है जिसमें आप जैसे बब्बर शेर कार्यकर्ताओं के ऊपर बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। ऐसा इसलिए क्योंकि कांग्रेस की सोच और विचारधारा आपके अंदर है, आपकी रगों में है।''

उन्होंने कांग्रेस की घोषणा पत्र की तारीफ करते हुए कहा ''कांग्रेस का मेनिफेस्टो एक बेहतरीन मेनिफेस्टो है। इसमें हमारी कुछ महत्वपूर्ण गारंटी हैं- गरीब परिवार की एक महिला को सालाना एक लाख रुपए, अप्रेंटिसशिप का अधिकार- सभी ग्रैजुएट्स और डिप्लोमा होल्डर्स को एक साल की अप्रेंटिसशिप और एक लाख रुपए। किसानों को एमएसपी की कानूनी गारंटी। मनरेगा श्रमिकों का मेहनताना कम से कम 400 रुपए। कॉन्ट्रैक्ट मजदूरी को खत्म करेंगे।

नौ घंटे की पूछताछ के बाद आप नेता अमानतुल्लाह खान को ईडी ने गिरफ्तार किया

- दिल्ली की ओखला सीट से विधायक अमानतुल्लाह खान पर वक्फ की प्रॉपर्टी से जुड़े केस में मनी लॉन्ड्रिंग का केस चल रहा है।
- ईडी ने कहा था कि, छापे के दौरान कई अपराधिक सामग्री जब्त की गई, जो मनी लॉन्ड्रिंग के केस में उनकी भूमिका का संकेत देती हैं।
- आप ने आरोप लगाया था कि यह जांच उन झूठे मामलों में से एक थी जो उसकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ दायर किए जा रहे थे।

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। आम आदमी पार्टी के एक और बड़े नेता को ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार कर लिया है। दिल्ली की ओखला सीट से पार्टी के विधायक अमानतुल्लाह खान पर वक्फ की प्रॉपर्टी से जुड़े केस में मनी लॉन्ड्रिंग का केस चल रहा है। ईडी सुबह 11:30 बजे से ही उनसे पूछताछ कर रही थी। खान के परिसरों पर ईडी की छापेमारी भी हो चुकी है। ईडी ने कहा था कि छापे के दौरान कई अपराधिक सामग्री जब्त की गई, जो मनी लॉन्ड्रिंग के केस में उनकी भूमिका का संकेत देती हैं। वहीं, आप ने आरोप लगाया था कि यह जांच उन झूठे मामलों में से एक थी जो उसकी पार्टी के नेताओं के खिलाफ दायर किए जा रहे थे।

बता दें कि 2 दिन पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने अमानतुल्लाह खान की अग्रिम जमानत की याचिका खारिज की थी। इसके बाद अमानतुल्लाह खान आज सुबह ईडी दफ्तर पहुंचे जहां 11.30 बजे से ही केंद्रीय एजेंसी उनसे पूछताछ कर रही थी। अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, सत्येंद्र जैन और संजय सिंह के बाद अमानतुल्लाह खान आम आदमी पार्टी के पांचवें ऐसे बड़े नेता हैं जो गिरफ्तार हुए हैं। इनमें से सिर्फ संजय सिंह ही जेल से बाहर है क्योंकि उन्हें ज़मानत मिल चुकी है। अमानतुल्लाह के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला सीबीआई की एफआईआर और दिल्ली पुलिस की 3 शिकायतों से जुड़ा है।

दरअसल, अमानतुल्लाह खान पर आरोप है कि दिल्ली वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने 32 लोगों को अवैध रूप से भर्ती किया था। उनके ऊपर आरोप है कि इसके साथ ही उन्होंने अवैध रूप से दिल्ली वक्फ बोर्ड की कई संपत्तियों को किराए पर दिया है। आप नेता पर ये भी आरोप लगाया गया है कि उन्होंने दिल्ली वक्फ बोर्ड के धन का दुरुपयोग किया है, जिसके बाद उनके खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग के तहत मामला दर्ज किया गया था। ईडी दफ्तर में प्रवेश करने से पहले उन्होंने दावा किया कि जब वह वक्फ बोर्ड के अध्यक्ष थे तो उन्होंने नियमों का पालन किया और कानूनी राय लेने के बाद और 2013 में आए नए अधिनियम (बोर्ड के लिए) के मुताबिक काम किया।

शिल्पा व राज कुंद्रा की संपत्तियां कुर्क

मुंबई, 18 अप्रेल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुरुवार को बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी और उनके पति रिपु सूदन कुंद्रा उर्फ राज कुंद्रा की संपत्ति कुर्क कर ली। ईडी ने एक बयान में धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए), 2002 के प्रावधानों के तहत रिपु सूदन कुंद्रा, जिन्हें राज कुंद्रा के नाम से भी जाना जाता है, से संबंधित अचल और चल संपत्तियों को अस्थायी रूप से संलग्न करने के अपने फैसले की घोषणा की।

बयान में कहा गया, ईडी, मुंबई ने पीएमएलए, 2002 के प्रावधानों के तहत रिपु सूदन कुंद्रा उर्फ राज कुंद्रा की 97.79 करोड़ रुपये की अचल और चल संपत्तियों को अस्थायी रूप से संलग्न किया है। संलग्न संपत्तियों में वर्तमान में जुहू में स्थित आवासीय फ्लैट शामिल है। शिल्पा शेट्टी के नाम पर, पुणे में स्थित एक आवासीय बंगला और राज कुंद्रा के नाम पर इक्विटी शेयर भी जब्त किये गये हैं। कुंद्रा को मुंबई पुलिस ने जुलाई 2021 में 11 अन्य लोगों के साथ कथित तौर पर अश्लील फिल्में बनाने और उन्हें प्रचलन के लिए कुछ ऐप्स पर अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया था।

भाजपा ने रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग से नारायण राणे को बनाया उम्मीदवार

- पार्टी ने गुरुवार को 13वीं सूची जारी की जिसमें मात्र एक उम्मीदवार (नारायण राणे) के नाम की घोषणा की है।
- शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा सीट पर अपना दावा जता रहा था लेकिन गठबंधन में यह सीट भाजपा के खाते में आई

महाराष्ट्र, 18 अप्रेल। भाजपा ने महाराष्ट्र के रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा क्षेत्र से नारायण राणे को पार्टी का उम्मीदवार बनाया है। पार्टी ने गुरुवार को अपने लोकसभा उम्मीदवार की 13वीं सूची जारी की है जिसमें भाजपा ने मात्र एक उम्मीदवार (नारायण राणे) के नाम की घोषणा की है। इस तटीय सीट का प्रतिनिधित्व अभी विनायक राउत कर रहे हैं जिन्हें शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने फिर से उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने पहले कभी इस सीट पर चुनाव नहीं लड़ा है। राणे के बेटे निलेश राणे ने कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर 2009 में इस सीट पर जीत हासिल की थी।

नारायण राणे केंद्र की सरकार में मंत्री हैं और उनका राज्यसभा का कार्यकाल इसी महीने समाप्त हुआ है। 2019 के पिछले लोकसभा चुनाव में रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा सीट से शिवसेना के उम्मीदवार विनायक राउत चुनाव जीते थे, लेकिन आज वह शिवसेना (उद्धव ठाकरे गुट) के साथ हैं। विनायक राउत ने पिछले लोकसभा चुनाव में नारायण राणे के बेटे नीलेश नारायण राणे को ही चुनाव में हराया था जो महाराष्ट्र स्वाभिमान पक्ष के बैनर तले चुनाव लड़े थे। शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) इसी आधार पर रत्नागिरी-सिंधुदुर्ग लोकसभा सीट पर अपना दावा जता रहा था, लेकिन गठबंधन में यह सीट फाइनली भाजपा के खाते में आई और पार्टी ने आज यहां से नारायण राणे को चुनावी मैदान में उतारने की घोषणा कर दी।

नारायण राणे ने शिवसेना से अपनी राजनीति की शुरुआत की थी और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री भी रहे। राणे ने शिवसेना के बाद कांग्रेस का हाथ थाम लिया था और बाद में अपनी पार्टी भी बनाई। हालांकि वहां उन्हें कुछ खास सफलता नहीं मिली और आखिरकार उन्होंने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। राणे फिलहाल राज्यसभा सांसद हैं।

3 जुलाई 2005 को शिवसेना ने राणे को पार्टी से निकाल दिया जिसके बाद उन्होंने कांग्रेस का हाथ थाम लिया। कांग्रेस के नेतृत्व वाली राज्य सरकार में राणे महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री बने। हालांकि कांग्रेस में भी वह ज्यादा दिन तक शांत नहीं रह पाए और 6 दिसम्बर 2008 को पार्टी के बारे में प्रतिकूल टिप्पणियां करने के लिए पार्टी ने उन्हें निलंबित कर दिया। बाद में फरवरी 2009 को उन्होंने पार्टी की मुखिया सोनिया गांधी को माफीनामा पत्र दिया जिसके बाद उनका निलंबन रद्द कर दिया गया। हालांकि बाद में फिर उन्होंने बगावती तेवर अपनाए और कांग्रेस छोड़ने, अपनी पार्टी बनाने के बाद अब वह बीजेपी में हैं।

कर्नाटक में मौसम बना कांग्रेस की मुसीबत

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। कर्नाटक के अधिकांश भागों में जलवायु परिवर्तन से हुई भारी गर्मी और बैंगलुरू में पेयजल किल्लत, चुनाव का समय कांग्रेस के लिए इससे बुरा नहीं हो सकता था। कुछ माह पूर्व हुए विधानसभा चुनावों में

- जलवायु परिवर्तन और उसकी वजह से बढ़ती गर्मी और बैंगलौर में पानी की किल्लत, कर्नाटक में ज्यादा सीटें पाने की कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर सकती है।

विश्वसनीय प्रदर्शन के बाद कांग्रेस इस लोकसभा चुनाव में अच्छी-खासी सीटें जीतने का लक्ष्य रखकर चल रही थी। कई स्थानीय मीडिया संस्थान कांग्रेस के लिए कर्नाटक की कुल 28 सीटों में से 10 से 19 तक जीतने की भविष्यवाणी कर रही है, जो कि पिछले लोकसभा चुनाव में जीती गई से ज्यादा है। तो क्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जानबूझकर आम और मिठाई खा रहे हैं केजरीवाल

ई.डी. ने दिल्ली की अदालत में शिकायत की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) ने गुरूवार को एक सिटी कोर्ट में कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक, जिन्हें टाइप-2 स्तर की डायबिटीज़ बीमारी है वे अपने शुगर लेवल को बढ़ाने के लिए जानबूझकर जेल में आम व मिठाइयां खा रहे हैं।

ई.डी. के वकील जोहेब हुसैन ने कोर्ट को सूचित किया कि चिंता का कारण यह है कि उन्हें घर पका हुआ निर्धारित भोजन खाने की इजाज़त इसलिए दी गई थी क्योंकि उन्होंने दावा किया था कि वे उच्च स्तरीय मधुमेह रोग से पीड़ित हैं। वे रोजाना आलू की पूड़ी, आम, मिठाइयां रोजाना खा रहे हैं। यह इसलिए किया जा रहा है ताकि चिकित्सा सुविधा लेने के आधार पर जमानत मिल सके।''

हुसैन ने कोर्ट से कहा कि, ''कोर्ट के समक्ष उनका खुराक चार्ट प्रस्तुत किया गया है। भोजन चार्ट में आम व मिठाइयां का उल्लेख है जिसे हमने कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत कर दिया है। वे खासतौर से मीठा खाना खा रहे हैं जिसे खाने की किसी भी मधुमेह के रोगी को इजाज़त नहीं होती है। यह मामला कोर्ट के विचाराधीन लम्बित है।''

इस मामले की सुनवाई कर रही विशेष जज कावेरी बवेजा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस मामले में अपनी रिपोर्ट शुक्रवार तक दाखिल करे, तब इस मामले पर संभवतया कोर्ट पुनः सुनवाई करेगा।

केजरीवाल वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद हैं क्योंकि केन्द्रीय जांच एजेंसी दिल्ली शराब नीति मामले में मनी लॉन्ड्रिंग के लगे आरोपों की जांच कर रही है। केजरीवाल, जो एक गंभीर डायबिटीज़ से पीड़ित हैं, ने इससे पूर्व भी कोर्ट से गुहार लगाई थी कि उन्हें वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग क माध्यम से नियमित रूप से डॉक्टर से परामर्श लेने की इजाज़त प्रदान की जाए। केजरीवाल के वकील ने कोर्ट को बताया था कि उनका ब्लड शुगर लैवल अस्थिर हो रहा है और वह गिर कर नीचे 46 तक आ गया है। सोमवार को दिल्ली की कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत को 23 अप्रैल तक बढ़ा दिया था।

- ई.डी. ने बताया कि, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को टाइप टू डायबिटीज़ है और वे रोज़ घर से खाना मंगाकर आलू पूरी, आम व मिठाइयां खा रहे हैं, जबकि बीमारी के कारण उन्हें ये सब नहीं खाना चाहिए।
- ई.डी. का आरोप है कि, केजरीवाल ये सब इसलिए कर रहे हैं ताकि उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाए और इलाज के नाम पर उन्हें जमानत मिल जाए।

गाजा में इजरायली हवाई हमले में 13 फिलिस्तीनी मारे गए

गाजा, 18 अप्रेल। उत्तरी गाजा पट्टी में फिलिस्तीनियों की एक सभा को निशाना बनाकर किए गए इजरायली हवाई हमले में कम से कम 13 फिलिस्तीनी मारे गए।

स्थानीय प्रत्यक्षदर्शियों और चिकित्सा सूत्रों ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रत्यक्षदर्शियों ने चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को बताया कि गाजा शहर के शेख राडवान में इंटरनेट का उपयोग करने की कोशिश कर रहे फिलिस्तीनियों की एक सभा पर एक ड्रोन के जरिए हमला किया गया।

चिकित्सा सूत्रों ने बताया कि कम से कम 13 फिलिस्तीनियों की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, और कई अन्य घायल हुए हैं, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उधर, इजरायली मीडिया ने बताया कि हवाई हमले में हमास पोलित ब्यूरो नेता इस्माइल हनिएह का भतीजा भी मारा गया।

इस बीच, फिलिस्तीनी सुरक्षा सूत्रों ने कहा कि इजरायली सेना ने मध्य गाजा पट्टी में नुसीरात शरणार्थी शिविर में एक आवासीय चौराहे को ध्वस्त कर दिया, जो लगभग एक सप्ताह से सैन्य अभियान का स्थल रहा है। सूत्रों ने कहा कि इजरायली सेना ने हवाई और गोला बारी तेज कर दिए हैं।

ई.डी. ने सोरेन के केस में चार और लोगों को गिरफ्तार किया

- ई.डी. का आरोप है कि बरियातू जमीन सौदे में काली कमाई खपाने के तार मु.मंत्री सोरेन व कुछ अधिकारियों से जुड़े हैं।

नयी दिल्ली, 18 अप्रेल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने झारखंड में बरियातू जमीन सौदे से संबंधित एक धन शोधन के मामले में छापे मार कर चार आरोपित व्यक्तियों को गिरफ्तार किया है। जमीन अधिग्रहण में कालीकमाई खपाने के आरोप में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और कुछ एक अधिकारी जुड़े हैं।

ईडी की गुरुवार को जारी एक विज्ञप्ति में, गिरफ्तार व्यक्तियों के नाम प्रिय रंजन सहाय, इरशाद अख्तर, अंतु तिर्की और बिपिन सिंह बताए गए हैं। इसके अलावा असरफ अली नाम के एक अन्य व्यक्ति को भी हिरासत में लिया गया है, जिसे विशेष ईडी अदालत ने 22 अप्रैल तक हिरासत में रखने की मंजूरी दी है। इससे पहले सद्दाम हुसैन नाम का एक और आरोपी भी 20 अप्रैल तक ईडी की हिरासत में है।

उल्लेखनीय है कि, यह पूरा मामला पूर्व मुख्यमंत्री द्वारा रांची के बरियातू में अधिग्रहित की गयी 8.8 एकड़ जमीन से जुड़ा है। इस मामले में सोरेन के अलावा राजस्व विभाग के एक अधिकारी, भानुप्रताप प्रसाद पहले से गिरफ्तार हैं और न्यायिक हिरासत में हैं।

इसी जमीन सौदे में अवैध कमाई के खपाने के मामले की जांच धन शोधन निवारक अधिनियम 2002 के तहत चल रही है। भानुप्रताप प्रसाद जमीन के मूल सरकारी दस्तावेजों का रक्षक था। सोरेन और प्रसाद पर आरोप है कि, उन्होंने अपराध की कमाई को हासिल कर के उसको विभिन्न तरीकों से छुपाया।

ईडी ने सोरेन, प्रसाद और चार अन्य के विरुद्ध अभियोजन के लिए शिकायत दर्ज की थी। आरोप है कि, प्रसाद और अन्य आरोपियों ने सरकारी मूल्यांकन में उक्त 31 करोड़ की जमीन के अवैध तरीके से अधिग्रहण और उस पर कब्जा करने में सोरेन की सहायता की और उन्हें बढ़ावा दिया।

ईडी ने इस जमीन को कुर्क कर लिया। इसके बाद, सद्दाम हुसैन को अभिलेखों की जालसाजी और फर्जीवाड़ा करने के आरोप में नौ अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया था।

ईडी ने जमीन के सौदों में इसी तरह की हेराफेरी के कथित पांच मामलों में झारखंड पुलिस और कोलकाता पुलिस द्वारा दर्ज प्राथमिकी के आधार पर उनमें काली कमाई को ठिकाने लगाने के पहलुओं की जांच शुरू की है। ईडी की इस जांच में कुछ सरकारी अधिकारियों सहित कई व्यक्ति फंसे हैं।

केरल: पनूर बम विस्फोट मामले में तीन और गिरफ्तार

कन्नूर, 18 अप्रेल। केरल में पनूर बम विस्फोट मामले की जांच कर रहे विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गुरुवार को तीन और युवकों को गिरफ्तार किया है। ज्ञात रहे पांच अप्रेल को पनूर के पास मुलियाथोड में हुये देसी बम विस्फोट एक सीपीआई (एम) कार्यकर्ता की मौत हो गई थी और तीन अन्य घायल हो गए थे।

पुलिस ने एक गुप्त सूचना के बाद छापेमारी में वडकारा के पास मदापल्ली से तीन किलोग्राम विस्फोटक सामग्री (बारूद) भी जब्त किया। पुलिस ने बताया कि चोम्बला पुलिस ने इस संबंध में एक और मामला दर्ज किया है। पुलिस ने कन्नूर जिले के कादिरूर के पास चुंडांगापोइल के सजीलेश (43) और जिजेश (38) और कोझिकोड के वडकारा के पास मदापल्ली के बाबू (45) को गिरफ्तार किया।

इसके साथ ही कडुंगोपोयिल के टी शिजल (27) और कुन्नोथपरम्बा के डीवाईएफआई इकाई सचिव की गिरफ्तारी सहित कुल गिरफ्तारियों की संख्या 12 हो गई। पुलिस सूत्रों ने कहा कि सजीलेश वडकारा से विस्फोटक सामग्री लाया था, जिसे बाबू ने सौंपा था। सजीलेश 2014 में कथिरूर में आरएसएस कार्यकर्ता मनोज हत्याकांड का आरोपी भी है। पनूर बम विस्फोट मामले में गिरफ्तार किए गए पहले नौ लोगों में से सभी डीवाईएफआई/सीपीआई (एम) कुथुपरम्बा और मीथले कुन्नोथुपरम्बा के समर्थक हैं, और उनमें से कुछ डीवाईएफआई के पदाधिकारी भी हैं।

चुनावी सभाओं में रंग नहीं जमा पा रही हैं ममता बनर्जी

इसके विपरीत भाजपा नेता सुवेन्दु अधिकारी की सभा में भारी भीड़ देखी जा रही है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। ममता बनर्जी अपनी चुनावी रैलियों में ऐसे मुद्दे उठा रही हैं जिनका जनता पर कोई असर नहीं हो रहा है। पिछले वर्ष रामनवमी पर कोलकाता के हावड़ा उपनगर और राज्य के कई अन्य स्थानों पर व्यापक हिंसा हुई थी, उसके ठीक विपरीत यह वर्ष अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से गुजरा।

हिंसा की एकमात्र घटना मुर्शिदाबाद में होने की खबर है, जहाँ पत्थरबाजी की गई और मस्जिद के पास से गुजर रहे एक जुलूस पर हमला किया गया। अन्यथा, हावड़ा का शेष हिस्सा शांत रहा। इसी तरह के अन्य संवेदनशील स्थानों पर भी शांति रही।

इसके बावजूद, तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने नॉर्थ बंगाल स्थित निकटवर्ती राजनगर की एक चुनावी रैली में यह कहकर प्रहार किया कि

- मुर्शिदाबाद में रामनवमी जुलूस पर पथराव के मामले में ममता बनर्जी ने भड़काऊ बयानबाजी भी की, पर इस बार जनता की प्रतिक्रिया मौन रही।
- जनता में ममता बनर्जी के प्रति इस कदर नाराजगी है कि, उत्तरी बंगाल के एक क्षेत्र से गुजर रही ममता बनर्जी की कार को देख कर सड़क किनारे खड़े लोगों ने चोर-चोर के नारे लगाए।
- ममता बनर्जी वहां से खिसक लीं, पर बाद में अवश्य बोलीं कि, वहां रूकती तो मैं उनकी ज़बान खींच लेती। ममता ने इस प्रतिक्रिया से हिंसा भड़काने की कोशिश की, पर जनता ने ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया का जमकर मज़ाक उड़ाया।
- ममता बनर्जी के विपरीत सुवेन्दु अधिकारी भारी भीड़ खींच रहे हैं, उनके भाषण का लहजा भी काफी तीखा हो गया है।
- ऐसा लगता है लोकसभा चुनाव बंगाल की राजनीति को नई दिशा दे सकते हैं।

विपक्षी भाजपा ने मुर्शिदाबाद में हिंसा की योजना बनायी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वोट जुटाने की खातिर समुदायों को विभाजित करने का खेल खेलने की कोशिश कर रही थी।

तथापि, बनर्जी द्वारा जोर-शोर से लगाए जा रहे आरोपों पर जनता की प्रतिक्रिया मौन ही रही। लगता है कि ममता बनर्जी के आरोप और प्रतिक्रियाएँ इतनी अधिक बार दोहरायीं जा चुकी हैं कि अब उन्हें लेकर संशय उत्पन्न होने लगा। चुनाव शुरु होने वाले है। लेकिन ममता के चुनावी संबोधनों का कोई असर नहीं है, जबकि इससे पहले के वर्षों में उनके भाषणों पर की भारी सराहना होती थी। बंगाल के राजनीतिक टिप्पणिकारों के अनुसार तृणमूल सुप्रीमो का चुनावी रैलियों में प्रदर्शन फीका है। भाजपा के स्टार प्रचारक सुवेन्दु अधिकारी अपनी रैलियों में भारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)